जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 48 संख्याः 246 प्रभात कोटा, मंगलवार 20 जून, 2023 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

जम्मु कश्मीर वन विभाग ने 13 मई 2023 को एक हिमालय ब्राउन बेअर को पकड़ा। यह भालू कब्रिस्तान में कब्रों को खोद रहा था, शायद भोजन की तलाश में। घटना नॉर्थ कश्मीर के हांडवाड़ा जिले के राजवाड़ा क्षेत्र की है, जहाँ भालू को रिहायशी क्षेत्रों में भी घूमते हुए देखा गया। कई अन्य गांवों से भी ऐसी खबरें मिली हैं। अंदेशा है कि भोजन की तलाश में एक से ज्यादा भालू यहाँ घूम रहे हैं। राजपुरा गांव के एक व्यक्ति ने बताया कि, कब्र से खोदकर निकाली गई लाशें देखकर हम सब डर गए फिर हमें पता लगा कि यह भालू का काम है। कब्रिस्तान की सुरक्षा के लिए अब गांव वाले पहरा दे रहे हैं। भालू के इस अटपटे व्यवहार के लिए उनके प्राकृतिक आवास में भोजन की कमी को जिम्मेवार माना जा रहा है। गत वर्ष नई दिल्ली के एक वन्यजीव संरक्षण संस्थान, वाइल्डलाइफ एस.ओ.एस. द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता लगा था, कि, कश्मीर में हिमालयन ब्राउन बेयर की डाइट के 75 प्रतिशत खाद्य पदार्थ कचरे से उठाए गए थे, जिसमें प्लास्टिक की थैलियां, चॉकलैट रैपर्स, मिल्क पाउडर और बिरयानी भी थी। शोध कहता है कि, कश्मीर के हिमालयन ब्राउन बेअर हमेशा से वन्यजीव संरक्षणविदों के लिए रहस्य का विषय रहे हैं, क्योंकि यह प्रजाति हिमालय की तलहटी में ही मिलती है। ब्राउन बेअर के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है और इस पर रिसर्च भी बहुत कम हुई है। प्राकृतिक आवासों के विनाश, अतिक्रमण, पर्यटन व मवेशियों की चराई की वजह से गत सदी में इनकी आबादी तेजी से घटी है और मात्र 500-700 ब्राउन बेअर ही रह गए हैं। यह सर्वे थाजवास (बलताल) वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी, सोनमर्ग, लक्षपथरी और सरबाल गांव में किया गया है क्योंकि यह क्षेत्र ना केवल ब्राउन बेअर का प्राकृतिक आवास है बल्कि, प्रमुख पर्यटन केन्द्र भी हैं। सोनमर्ग में भालू का आवास, ज़ोजी ला पास तक है, जो श्रीनगर और लेह को जोड़ता है। इनका मुख्य भोजन, कीट, छोटे क्रस्टेशियन, एल्पाइन पौधे, पौधों की जड़ें, घास की कोंपलें, बकरी, भेड़, नेवले आदि हैं। ये रात्रिचर हैं और इनकी सूंघने की क्षमता भोजन ढूंढने में बहुत मददगार होती है। कश्मीर में मिलने वाले सबसे बड़े स्तनपायी जीव ब्राउन बेअर ही हैं। वयस्क भालू का वजन 250 किलो या उससे ज्यादा तक हो सकता है। ब्राउन बेअर विश्व में सब जगह मिलते हैं परंतु केवल हिमालयन ब्राउन बेअर प्रजाति ही गंभीर रुप से संकटग्रस्त है।

क्या जयराम रमेश भारी मानसिक तनाव में हैं?

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हतप्रभ हैं, गीता प्रेस गोरखपुर पर की गयी उनकी भद्दी टिप्पणी से

- जयराम रमेश ने गीता प्रेस, जो लगभग सौ साल से धार्मिक पुस्तकें छाप रहा है तथा इस प्रेस में छपी पुस्तकें भारत में लगभग हर हिन्दु के घर में रहती आई हैं, को प्रकाशन के सौ साल पूरे होने पर, गांधी पुरस्कार देने का भारी विरोध किया।
- जयराम रमेश के अनुसार, गीता प्रेस गोरखपुर को सम्मानित करना, ऐसा है, जैसे सावरकर या गोडसे को सम्मानित करना।
- यह टिप्पणी, गीता प्रेस के साथ उन सभी भारतीय परिवारों को अपमानित करती है, जो दशकों से गीता प्रेस गोरखपुर द्वारा प्रकाशित श्रीमद् भगवत गीता व अन्य धार्मिक किताबें पढ़ते आये हैं।
- गीता प्रेस गोरखपुर के महात्मा गांधी से कुछ वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, पर, ये मतभेद उसे साम्प्रदायिक नहीं बना देता।
- कांग्रेस के दिग्गजों का कहना है कि, जयराम रमेश तब से तनाव में हैं, जबसे उनको हटाने की चर्चाएं जोर पकड़ रही हैं और ऐसी हिन्दु विरोधी टिप्पणियाँ करके, वे अपने आपको पार्टी में ''प्रासंगिक'' बनाये रखना चाहते हैं।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 जून। जयराम रमेश ने कांग्रेस पार्टी को मुश्किल में डाल दिया है। उन्होंने सौ वर्ष पुराने प्रकाशक समूह गीता प्रैस को गांधी शांति पुरुस्कार दिए जाने की बहुत ही कड़ी निंदा की है।

उन्होंने कहा कि यह ऐसा है मानो सावरकर और गोडसे (गांधी के हत्यारे) को अवॉर्ड दिया गया हो।

जयराम रमेश के बयान को लेकर बड़ी संख्या में कांग्रेसी बहुत असहज हैं। पार्टी का एक बड़ा वर्ग मानता है कि रमेश ने पार्टी को क्षति पहुंचाई है क्योंकि यह जनभावना के खिलाफ है और आसानी से कांग्रेस को हिंदू विरोधी ठहराया जा सकता है।

हो सकता है गीता प्रैस के महात्मा गांधी से कुछ मतभेद रहे हों, पर इस आधार पर उन्हें साम्प्रदायिक नहीं ठहराया जा सकता है। यद्यपि वे गत 100 वर्षों से श्रीमद् भागवत गीता सहित अनेकों धार्मिक पुस्तकें प्रकाशित कर रहे हैं।

एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि जयराम रमेश को व्यवहारिक राजनीति और विचारधारा की कोई जानकारी नहीं है उन्होंने कभी कोई चुनाव नहीं लड़ा और वे एक सिद्धान्तकार की तरह व्यवहार करते हैं।

पार्टी के वरिष्ठ नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने खुले आम जयराम रमेश के गीता प्रैस विरोधी बयान की आलोचना की और कहा कि यह कांग्रेस को हिंदू विरोधी पार्टी बताने जैसा है, जो कि भाजपा कर रही है। उसके मंत्री व नेता इसे लेकर कांग्रेस पर निशाना साध रहे हैं।

सूत्रों ने कहा कि जयराम रमेश दबाव में है क्योंकि खबरें है कि उन्हें उनके पद से हटाया जा सकता है और क्या उन्होंने इसलिए पार्टी को बैकफुट पर धकेला है ताकि वे अपनी कुर्सी बचा सकें।

उनका उद्देश्य चाहे जो हो पर उन्होंने आम जन में कांग्रेस की छवि को भारी नुकसान पहुंचाया है क्योंकि गीता प्रैस द्वारा प्रकाशित एक धार्मिक पुस्तक अवश्य ही होती है।

जो कभी भारत को ''बास्टर्ड'' बताते थे, अब क्यों गुणगान में लगे हैं?

हेनरी किसिंजर ने बहु प्रतिष्ठित अन्तर्राष्ट्रीय मैगज़ीन ''द इकॉनमिस्ट'' को दिये गये लम्बे इन्टरव्यू में भारत को कूटनीति में अव्वल बताया

- किसिंजर के अनुसार भारत की कूटनीति विश्व के देशों के बीच लगातार रिश्तों में उत्पन्न अस्थिरता में संतुलन बिठाने की महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।
- 1971 में अमेरिका के राष्ट्रपति निक्सन के आमंत्रण जब प्र.मंत्री इंदिरा गांधी अमेरिका गयी थीं, तो राष्ट्रपति निक्सन द्वारा इंदिरा जी के सम्मान में दिये गये रात्रि भोज के बाद किसिंजर ने पत्रकारों से बात करते हुए भारत को ''बास्टर्ड'' बताया था।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 जून। हेनरी किसिंजर को याद कीजिए, जो अमेरिका के तेज तर्रार सेक्रेटरी ऑफ स्टेट (विदेश मंत्री) थे तथा जिन्होंने भारतीयों के लिये अपशब्दों का प्रयोग किया था और कहा था भारतीय ''बास्टर्ड'' हैं। इस समय वे भारत की विदेश नीति की भूरि-भूरि प्रशंसा कर रहे हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय कूटनीति के वर्तमान दौर में, जब पुरानी ताकतें क्षीण हो रही हैं तथा नई ताकतें उभर रही हैं, उन्हें भारत की भूमिका स्थिरतापूर्ण लगी है। उन्होंने कहा है: ''इस समय भारतीय जिस तरह से अपनी विदेश नीति को संचालित कर रहे हैं, उसके प्रति मेरे मन में बहुत सम्मान है क्योंकि इसमें संतुलन दिखाई दे रहा है।''

कैसा विरोधाभास है। जब राष्ट्रपति निक्सन ने तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को 1971 में वाइट हाउस में आमंत्रित किया था, उसके बाद किसिंजर ने ऐसी टिप्पणी की थी, जो आज तक भुलाई नहीं जा सकी है।

लेकिन, अब उनका मानना है कि भारत की कूटनीति ''संतुलित'' है और यह वैश्विक मामलों में निर्णायक महत्व रखने वाले देशों में से एक है। यह बात तो उन्होंने इस स्थिति में कही है, जब भारत रूस-युक्रेन युद्ध के संबंध में पश्चिमी देशों के अनुरूप चलने से इंकार कर रहा है तथा रूस से तेल खरीदने पर लगे प्रतिबंधों की उपेक्षा कर रहा है।

उन्होंने प्रशंसा के लिये खासतौर से भारत के विदेश मंत्री सुब्रमन्यम जयशंकर को प्राथमिकता दी है। उन्होंने ''द इकोनॉमिस्ट'' को बताया कि जयशंकर एक राजनेता के रूप में उसी तरह से काम कर रहे हैं, जो मेरे विचारों के बिल्कुल नजदीक है।''

और वे विचार क्या हैं। किसिंजर ने

(शेष पृष्ठ 5 पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है!
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
फ्री सुनाई की जाँच
TRIAL OF HEARING AID
CALL FOR APPOINTMENT
+91 94602 07080
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
www.perfecthearingsolutions.com

रवि सिन्हा नये ''रॉ'' प्रमुख

नई दिल्ली 19 जून (वार्ता)। भारतीय पुलिस सेवा के छत्तीसगढ़ कैडर के अधिकारी रवि सिन्हा को देश की सबसे टॉप गुप्तचर एजेन्सी रिसर्च एण्ड एनालिसिस विंग (रॉ) का प्रमुख नियुक्त किया गया है।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने सिन्हा की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है और उनका कार्यकाल कार्यभार संभालने के बाद दो वर्ष तक या अगले आदेश तक रहेगा।

- आई.पी.एस सेवा के छत्तीसगढ़ कैडर के अधिकारी रवि सिन्हा को भारत की टॉप गुप्तचर एजेन्सी रिसर्च एण्ड एनालिसिस विंग (रॉ) का प्रमुख नियुक्त किया गया है।

सिन्हा को मौजूदा रॉ प्रमुख सामंत कुमार गोयल के स्थान पर इस पद पर नियुक्त किया गया है।

सामंत आगामी 30 जून को सेवानिवृत हो रहे हैं।

'बी.पी.एल. परिवारों को चावल बांटने के लिये चावल हम देंगे'

पंजाब आगे आया कर्नाटक सरकार की मदद के लिये

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 जून। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा से लड़ने के लिये साझा कार्यक्रम पर विचार करने के लिये पटना में 23 जून को होने वाली मीटिंग से पहले, आम आदमी पार्टी सोमवार को कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के बचाव के लिये आ गई तथा उसने अन्न भाग्य स्कीम के क्रियान्वयन के लिये चावल उपलब्ध कराने की पेशकश की।

आम आदमी पार्टी के स्थानीय नेतृत्व के माध्यम से किय गये इस वादे से पहले, पार्टी ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान को कर्नाटक सरकार के बचाव के लिए मनाया, जिसके सामने एक बहुत बड़ी समस्या आ गई थी क्योंकि केन्द्र सरकार ने भारतीय खाद्य निगम को 2.8 लाख टन चावल की वह खेप बेचने से मना कर दिया था जिसकी कर्नाटक को जरूरत थी, ताकि वह 10 कि.ग्रा. मुफ्त चावल देने की अपनी उस योजना को क्रियान्वित कर सके जिसका वादा चुनावों के दौरान कांग्रेस ने किया था। कर्नाटक के मुख्यमंत्री एस. सिद्धारमैया ने पंजाब के मुख्यमंत्री से बात कर ली है क्योंकि कर्नाटक राज्य के आप संयोजक पृथ्वी रेड्डी ने इससे पहले पृष्ठ भूमि तैयार कर दी थी। रेड्डी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री को एक पत्र लिखकर सूचित कर दिया था कि पंजाब सरकार कर्नाटक को चावल बेचने के लिये तैयार है तथा वे (सिद्धारमैया) इस मामले में यथाशीघ्र पंजाब के मुख्यमंत्री से बात कर लें।

कुछ ही क्षणों के अंदर, दोनों मुख्यमंत्रियों की परस्पर बात हो गई और अब दोनों ही राज्यों के अधिकारी संबंधित मसौदा तैयार करने में लग गये हैं। आम आदमी पार्टी द्वारा प्रस्तावित यह सहयोग दो काम कर रहा है-जहां यह पेशकश पंजाब के मुख्यमंत्री के सहयोगपूर्ण व्यवहार को दर्शा रही है, वहीं केन्द्र सरकार के एकदम विपरीत रवैये को दर्शा रही है जिससे लगता है कि केन्द्र सरकार कर्नाटक की जनता को भाजपा के खिलाफ वोट देने के लिए दंड देना चाहती है। जहां भाजपा को इस तथ्य रेखांकित करने में भी कष्ट हो रहा है कि केन्द्र सरकार द्वारा प्रतिमाह 5 कि.ग्रा. मुफ्त दिया जाना तो जारी है किन्तु सवाल उस अतिरिक्त 5 कि.ग्रा. चावल का है, जिसका वादा कांग्रेस ने किया था तथा उसे दे पाना संभव नहीं हो पा रहा था, क्योंकि किसी भी आकस्मिक

- जैसा कि विदित ही है, कर्नाटक की नव निर्वाचित कांग्रेस सरकार को केन्द्रीय सरकार के निर्देश के बाद फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने चावल बेचने से मना कर दिया था। कर्नाटक को 2.8 लाख टन चावल की आवश्यकता थी, हर बी.पी.एल. परिवार को दस किलो चावल फ्री देने के अपने चुनावी वादे को पूरा करने के लिये।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

जे.डी.यू. गठबंधन टूट रहा है?

पटना, 19 जून। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के संरक्षक जीतन राम मांझी ने नीतीश कुमार के नेतृत्व में चल रही महागठबंधन सरकार से समर्थन वापस लेने के लिए राज्यपाल को पत्र सौंपा है।

- पूर्व मु.मंत्री जीतनराम मांझी की पार्टी जे.डी.यू. गठबंधन से अलग हुई। चर्चा है कि, जीतनराम मांझी अब दिल्ली जायेंगे और बसपा, कांग्रेस और एन.डी.ए. के कई नेताओं से मिल सकते हैं।

उन्होंने कहा कि, वे अब दिल्ली जा रहे हैं और दो-तीन दिन वहीं रहेंगे। कहा कि इस दौरान वे बसपा, कांग्रेस और एन.डी.ए. के कई नेताओं से मिल सकते हैं। उन्होंने मायावती, राहुल गांधी और अमित शाह से मुलाकात करने के संकेत दिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वे

(शेष पृष्ठ 5 पर)

राहुल गांधी को तिरपनवें जन्मदिन पर कांग्रेस व विपक्ष से बधाई मिली

कांग्रेसाध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे व कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डी.के. शिव कुमार ने शुभ कामनाएं ट्विटर के माध्यम से भेजीं

- बिहार के मु.मंत्री नीतीश कुमार व पुराने मराठा लीडर, शरद पवार भी अग्रणी रहे, गैर कांग्रेस पार्टी के नेताओं में, राहुल गांधी को जन्मदिन पर मुबारकवाद देने वालों में।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 जून। राहुल गांधी आज 53 वर्ष के हो गए हैं। विभिन्न दलों के नेताओं ने इस अवसर पर उन्हें शुभकामनाएं और बधाइयां दीं।

कांग्रेस ने घोषणा की है कि राहुल गांधी के जन्म दिवस पर देश के अलग-अलग राज्यों में विभिन्न कार्यक्रम किए जाएंगे।

कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ट्विटर पर लिखा कि, ''संवैधानिक मूल्यों के प्रति आपकी अटूट प्रतिबद्धता और विपरीत परिस्थितियों में आपका अदम्य साहस प्रशंसनीय है। आप करूणा और सद्भाव का संदेश फैलाते हुए सत्ता के सामने सच बोलते रहेंगे और लाखों भारतीयों की आवाज़ बने रहेंगे।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने भी ट्विटर पर राहुल गांधी को बधाई दी और कहा, ''जन सेवा के प्रति आपका समर्पण और प्रतिबद्धता सही मायने में प्रेरणास्पद है। ईश्वर से प्रार्थना है यह वर्ष आपके लिए ढेर सारी प्रसन्नता, और स्वास्थ्य लेकर आए तथा सकारात्मक बदलाव लाए आपको और ज्यादा ताकत मिलें।

बिहार के मुख्यमंत्री ने लिखा, ''श्री राहुल गांधी को उनके जन्म दिन पर हार्दिक बधाइयां और शुभकामनाएं। आप दीर्घायु हों और स्वस्थ रहे।'' नीतिश आम चुनाव से पहले विपक्ष को एकजुट करने में लगे हुए हैं।

नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.) के नेता शरद पवार, जो महाराष्ट्र में कांग्रेस क सहयोगी है और महाविकास अघाड़ी में भी शामिल हैं, ने लिखा, कांग्रेस नेता राहुल गांधी को जन्म दिन पर शुभकामनाएं। आप स्वस्थ और प्रसन्न रहे और भविष्य में हर कार्य में आज को सफलता मिले।

राहुल गांधी का दिल्ली में 19 जून 1970 को जन्म हुआ था। वे कांग्रेस और भारत के जाने माने नेता हैं। स्व. राजीव गांधी के पुत्र, इंदिरा गांधी के पौत्र, जवाहर लाल नेहरू के प्रपौत्र हैं। ये तीनो ही भारत के प्रधानमंत्री रहे हैं। उनकी मां सोनिया गांधी, अपने पति राजीव गांधी की मृत्यु के बाद से कांग्रेस पार्टी की रीढ़ रहीं हैं।

शुरुआत से ही राहुल गांधी सार्वजनिक जीवन से दूर रहते थे। वर्ष 1984 में इंदिरा गांधी की मृत्यु के बाद उन्होंने घर पर ही पढ़ाई की। दिल्ली में सेंट स्टीफंस और फिर हारवर्ड में पढ़ने के बाद वर्ष 1991 में उनके पिता की मृत्यु के बाद उन्हें फ्लोरिडा के रोलिंस कॉलेज में भेज दिया गया। उन्होंने कैम्ब्रिज के ट्रिबिटी कॉलेज से 1994 में ग्रैजुएशन किया था और अगले वर्ष पी.जी. भी यही से किया, इसके बाद उन्होंने यू.के. की एक कंसलटिंग फर्म में काम किया और फिर भारत लौट कर मुम्बई में एक बिजनैस कंपनी में काम किया।

राहुल गांधी राजनीति में 2004 में आये थे, जब वे पहली बार लोकसभा के लिये चुने गये थे। 2009 के चुनाव के बाद, वे उसी पद पर बने रहे। 2013 में, वे कांग्रेस पार्टी के उपाध्यक्ष बना दिये गये। उसके बाद 2014 में हुये चुनावों में उनकी पार्टी, भारतीय जनता पार्टी से बुरी तरह हार गई क्योंकि कांग्रेस की छवि भ्रष्टाचार के कई घोटालों से खराब हो गई थी। लेकिन किसी तरह से, राहुल ने अपनी लोकसभा सीट उन्होंने बचा ली। कांग्रेस के बहुत खराब चुनावी प्रदर्शन के बावजूद, राहुल गांधी तथा

(शेष पृष्ठ 5 पर)

इंडिगो 500 नई एयरबस खरीदेगी

नई दिल्ली, 19 जून। प्राइवेट सैक्टर की एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने एयरबस के साथ एक बड़ी डील का ऐलान किया है। इंडिगो 500 एयरबस ए-320 विमान खरीदेगी। हालांकि, इस सौदे के वित्तीय पहलुओं का ब्योरा अभी सामने नहीं आया है, लेकिन अनुमान लगाया जा रहा है कि, यह कुल 50

- यह भारतीय एयलाइन्स इण्डस्ट्री की अब तक की सबसे बड़ी डील मानी जा रही है। वर्तमान समय के लिहाज से यह डील इसलिए भी काफी अहम है, क्योंकि, देखा जाये तो यह समय एविएशन इण्डस्ट्री के लिए कुछ अच्छा नहीं चल रहा है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)